

आप के बधिर बच्चे के साथ घर पर कैसे सीखें

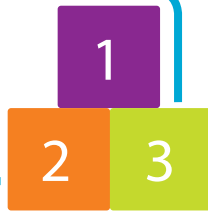


वैश्विक कोरोना महामारी के कारण, सारे विश्व में स्कूल बंद हैं। यदि आप के बच्चे को स्कूल से लौट आना पड़ा है या घर के पास के स्कूल में जाना असंभव है तो यह एक कष्टदायी समय है और आप चिन्तित हैं कि वह अपनी शिक्षा से वंचित रह जायेगा। परन्तु आप एवं आप का परिवार अपने बधिर बच्चे की शिक्षा को जारी रखने में एक अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सीखना हर समय होता रहता है, प्रतिदिन की गतिविधियों (activities) में, एक साथ भोजन करते समय चर्चा करने से, परिवार के सदस्यों के साथ खेलने या संप्रषण (बातचीत) करने से, कपड़े धोने एवं खाना बनाने से।

स्कूली शिक्षण एवं घर पर सीखना दो अलग-अलग चीजें हैं परन्तु दोनों ही आवश्यक हैं। घर में स्कूल जैसा वातावरण बनाने की चिन्ता न करें। एक ऐसे वातावरण का निर्माण करें जिसमें आप का बच्चा प्राकृतिक रूप से सीख पाये। अपने बच्चे को यह दिखलाना है कि ठीक तरह से हाथ कैसे धोने चाहिए और इस का महत्व सिखाने की कोशिश करना उतना ही महत्वपूर्ण है जैसे पुस्तकों से सीखना।

वस्तुओं को गिनना (123) और अपनी उंगलियों पर दिखाना



खाना पकाते समय सामग्री के बारे में एवं उन्हें पकाने के समय के बदलाव के बारे में बताना



बच्चे को अपने नाम में पाये जानेवाले अक्षर को चुनने में सहायता करना



समय को बताने का तरीका सिखना



अपने बच्चे को पेड़ों, पहाड़ों, नदियों, फलों, सब्जियों एवं जानवरों या पक्षियों के नाम और संकेत बताना या रंग, आकार, टेक्सचर (texture), स्वाद और सुगंध का वर्णन उन्हें स्पर्श कर, स्वाद लेकर अथवा सूंधकर करना।



आप का बच्चा आपके और परिवार के अन्य लोगों के साथ समय बिताने, बातचीत करने, खेलने या आप के साथ दैनिक कार्य करते समय साथ होने से भी सीखेगा।

आप के बधिर बच्चे के साथ घर पर कैसे सीखें



संप्रेषण (बातचीत करना)

यह सुनिश्चित कीजिए कि आप का बच्चा जब आप के साथ घर पर हो तो वह अपना श्रवण यंत्र या अन्य व्यक्तिगत प्राद्योगिकी का प्रयोग करे



अपने बच्चे के साथ धीरज रखिए और जब आप देखते हैं कि उसे आप को समझने में दिक्कत हो रही है, तब उसी चीज को किसी अन्य तरीके से व्यक्त करें बजाय उस वाक्य को तोहराने से



आप के अपने बधिर बच्चे से संप्रेषण (बातचीत) करने के लिए सांकेतिक भाषा की जानकारी होने की जरूरत नहीं है। आप शारीरिक हाव भाव (gestures) से या वस्तुओं को इंगित करके या संकेतों एवं शारीरिक हाव भावों को मिलाकर संप्रेषण कर सकते हैं।

सामान्य गति से बोलिए (न की बहुत तेज या धीरे) और बच्चे के साथ बोलते समय या सांकेतिक भाषा एवं शारीरिक हाव भाव का प्रयोग करते समय न चिल्लाएँ। याद रखिए, आप का बच्चा भले ही बधिर है परन्तु वह आप को होंठों और चेहरे के हाव भाव देखकर समझ सकता है।



आप अपने बच्चे के व्यवहार और सीखने के तरीके के बारे में क्या उम्मीद रखते हैं यह स्पष्ट रूप से उस से कहिए लेकिन लचीलापन दिखाने के लिए भी तैयार रहिए। हरेक परिवार सीखने के तरीकों को अलग तरह से देखेगा - इस में कोई सही या गलत तरीका नहीं है। सरल नियमों पर समझौता कर लीजिए परन्तु यदि कुछ ठीक नहीं हो रहा हो तो फिर से दूसरे उपाय सोचने की कोशिश कीजिए।



अपने बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसकी प्रशंसा कीजिए जब वह कुछ सही करता है बजाय उसे डाँटने के जब वह कुछ गलत करता है। याद रखिए कि आप का बच्चा बदलावों को न समझने के कारण निराश या चिन्तित हो।



दिनचर्या

काफी बच्चे अत्यंत खुश होते हैं जब उनकी एक दिनचर्या होती है। ऐसा करने से वे अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगे जब उनके आस पास सब कुछ अंजाना हो और स्कूल बंद हो। साथ में समझौता करें या दिनचर्या को समझायें और उसे लिखिए या शब्दों सहित चित्र बनायें।

आप को बधिर बच्चे के साथ घर पर कैसे सीखें



सीखना (अधिगम)

अधिकतर बच्चे उत्तम रूप से तब सीखते हैं जब वे अपनी सोच और अपने विचारों को अन्य लोगों के साथ बाँट सकते हैं।

आप अपने बधिर बच्चे को सारी पारिवारिक गतिविधियों में सहभागी होने दें एवं उन्हें घरेलू जिम्मेदारियों में और मजेदार खेलों में शामिल करें।



यदि आप के पास पुस्तकें या चित्र हैं, तो उन्हें अपने बधिर बच्चे को दिखायें एवं कहानी पढ़ने के दौरान संकेत और शारीरिक हावभाव एक दूसरे से सीखें।



अपने बच्चे के लिए किसी कहानी की रचना कीजिए या अपने परिवार के बारे में कोई कहानी सुनाईये। बच्चों को चुनौती बहुत पसंद होती है - देखिए कि वे घर में से या बगीचे से कितनी वस्तुएँ इकट्ठा कर के एक डिब्बे या थैले में भर सकते हैं। बच्चे से पूछिए कि उसे क्या मिला और कहाँ पर था।



व्यवहार

हम सब जानते हैं कि हमें अपने बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल करना कितना महत्वपूर्ण है, लेकिन उनके मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल भी उतना ही आवश्यक है। कई बच्चे हाल में हुई घटनाओं और उनकी दिनचर्या में हुए बदलाव के कारण चिन्तित हैं।

अपने बच्चे के दैनिक जीवन में और उनके अपने आस पास के व्यक्तियों में बदलाव होने के कारण होनेवाले तनाव पर ध्यान दें - यदि आप भी तनावग्रस्त हैं तो आप का बच्चा इस से अवगत होगा परन्तु क्या हो रहा है यह समझ नहीं पायेगा।

उनके व्यवहार में बदलाव आ सकता है।

वे ज्यादा रो सकते हैं।

वे खाना या खेलना बंद कर सकते हैं।

वे अत्यंत दुःखी हो सकते हैं।



अपने बधिर बच्चे के साथ सीखना मजेदार हो सकता है। अति उत्तम रूप से संप्रेषण (बातचीत) सीखने की युक्तियाँ ढूँढ़ निकालिए।